B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)

BA(Hons) Part-1 पेपर-1

Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of Pol-Sci

Date-01/4,10,200

Q. राज्य के औचित्यता सम्बन्धी सिद्धान्त

आधुनिक राजनीतिशास्त्र के अध्ययन मे राज्य के उद्देश्य और औचित्य का विवेचन एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं विचारणीय प्रश्न है। राज्य उसी प्रकार प्राकृत संस्था है जिस प्रकार मनुष्य प्राकृत है। राज्य शक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक ही नही अनिवार्य भी है। राज्य शक्ति के सर्वांगीण विकास आत्म निर्भरता एवं सद्‌जीवन की प्राप्ति है। "राज्य की उत्पत्ति जीवन के लिए होती है और वह सद्‌जीवन के लिए जीवित रहता है" इस संबंध मे निम्न विचार है—

(1) अराजकतावादी दृष्टिकोण :—→ अराजकतावादियो का कहना है कि राज्य का ध्येय है/ वे विचार राज्य को एक आवश्यक बुराई मानते है। राज्य व्यक्ति के सुख तथा प्रगति के मार्ग मे रुकावट डालता है। राज्य के अन्तर्गत आदर्श जीवन असम्भव है। तर्क की कसौटी पर अराजकतावादियों का यह विचार भ्रमपूर्ण प्रतीत होता है।

(2) धार्मिक दृष्टिकोण :—→ प्रारम्भिक काल से ही राज्य तथा धर्म को एक सूत्र मे बाँधने का प्रयास किया गया है। एक ~~इसाई~~ इसाई के लिए यह किसी भी तरह उचित नही है कि वह अपनी सरकार का विरोध करे - चाहे वह सरकार उचित काम कर रही हो या अनुचित" परन्तु राज्य को औचित्य का धार्मिक दृष्टिकोण आधुनिक वैज्ञानिक युग मे समाप्त हो रहा है।

Scanned with CamScanner

(3) शक्ति सिद्धान्त :→ राज्य के अस्तित्व का औचित्य इसकी शक्ति के आधार पर भी प्रमाणित करने का भरसक प्रयास किया गया। राज्य शक्ति व्यवस्था है। आधुनिक राजनीतिशास्त्री जिनमें स्पिनोजा, मार्क्स एंजिल्स आदि प्रमुख है, राज्य शक्ति का मूर्तिमान स्वरूप है। राज्य का निर्माण केवल शक्ति मात्र से नहीं होता बल्कि उसका निर्माण किसी निश्चित उद्देश्य के लिए एक निश्चित तरीके से प्रयोग की गई शक्ति से होता है।

(4) अनुबंध सिद्धांत का दृष्टिकोण :→ राज्य के औचित्य का अनुबन्ध सिद्धान्त यह बताता है कि राज्य सत्ता इसलिए उचित है कि सत्ता हमने स्वेच्छा से राज्य को सौंप दी है। अनुबन्ध को राजनीतिक सत्ता का आधार मानना उचित नहीं है

(5) मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण:→ अनेक राजनीति विचारकों के अनुसार ~~मु~~ मनुष्य स्वभावतः एक सामाजिक प्राणी है ~~यह~~ वह शासन के अधीन रहता है। लेकिन यह धारणा युक्तिसंगत नहीं लगती है कि राज्य की राज्य की उत्पत्ति मानव प्रवृत्ति का परिणाम है।

Scanned with CamScanner